Sports and cultural events / competitions organised by the institution

Banasthali Vidyapith

PO. Banasthali Vidyapith (Rajasthan)

Pin Code- 304022

www.banasthali.org

Banasthali Vidyapith has value education central and all-encompassing to its unique and time-tested fivefold educational ideology comprising of physical, practical, aesthetic, intellectual and moral aspects. There are formal components to cater to physical, practical, aesthetic and intellectual education but, the Vidyapith believes that value inculcation and character building are not possible within the confines of a classroom.

To this end Vidyapith has a rich tradition of celebrating a large number of cultural and national festivals including birth/death anniversary of great Indian personalities so that the students are able to derive inspiration from them. The entire academic calendar is full of such events adding so much fervor to the campus life besides having immense educational value. Month-wise break-up of such events is as follows:

August: Independence Day, Shaheed Diwas, Ganesh Chaturthi, Janmasthami, Tulsi Jayanti.

October: Gandhi Jayanti, Ramanavmi, Dussehra, Deepawali, Banasthali's co-founder Padama Shri Smt. Ratan Shastri (Bhabhuji) Death Anniversary, Lal Bahadur Shastri Jayanti, Sardar Patel Jayanti

November: Gurunanak Jayanti, Founder's (Apaji) Birthday

December: Christmas, Founder's (Apaji) Death Anniversary

January: Lohri, Republic Day, Shram Dan Diwas (Gandhi Ji Death Anniversary), Swami Vivekananda Jayanti

February: Basant Panchami, Mahashivratri,

March: Holi

April: Mahavir Jayanti

May-June: Budh Jayanti, Eid

Notices related to various activities

वनस्थली विद्यापीठ

6 अगस्त, 2020.

-: सूचना :-

8 अगस्त, 1942 को गांधीजी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' का आह्वान कर देश को 'करो या मरो' का संदेश दिया था। 8 एवं 9 अगस्त, 1942 की मध्य रात्रि को गांधीजी सहित देश के अनेक नेताओं को गिरफ्तार करने पर देश में 9 अगस्त से विद्रोह आरम्भ हुआ था। देश के स्वतन्त्रता संग्राम की आखिरी लड़ाई 'अगस्त आंदोलन' की स्मृति में प्रतिवर्ष 9 अगस्त को शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है। मौजूदा परिस्थितियों में भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना में शहीदों को श्रद्धांजलि देने हेतु आयोजित कार्यक्रमों का प्रसारण **रविवार,** दिनांक **9 अगस्त, 2020** को **प्रातः 9:00 बजे** रेडियो वनस्थली/उद्‌बोधन द्वारा किया जायेगा।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

प्रतिलिपि सूचनार्थः

1. डीन, एडमिनिस्ट्रेशन/इंस्ट्रक्शन
2. समस्त संकायाध्यक्ष
3. समस्त विभागाध्यक्ष (शैक्षिक एवं शिक्षेत्तर विभाग)
4. रेडियो वनस्थली
5. विद्यालय प्रभारी/ शारदा मंदिर/शाकुन्तलम्/ आचार्य सरस्वती मंदिर
6. निजी सचिव, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कुलपति/कोषाध्यक्ष/सहकुलपर्ति

वनस्थली विद्यापीठ

14 अगस्त, 2020.

-: सूचना :-

देश के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी अपने देश एवं राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान देने के लिये 15 अगस्त, 2020 को प्रातः 9:00 बजे विद्यापीठ के लक्ष्मीबाई मैदान में एकत्रित होंगे। कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा:

1. ध्वजारोहण
2. राष्ट्रगान
3. सम्बोधन
4. राष्ट्रीय गीत

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव ध्वजारोहण कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर दूरी आवश्यक होगी व अन्य सभी दिशा-निर्देशों की अनुपालना करनी होगी।

ध्यान रहे कि परेड ग्राउण्ड पर पहले 50 व्यक्ति ही जा पायेंगे; अन्य सभी को ध्वजारोहण दूर से ही देखना होगा। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ परेड ग्राउण्ड में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

प्रतिलिपि सूचनार्थ:

1. डीन, एडमिनिस्ट्रेशन/इंस्ट्रक्शन
2. समस्त संकायाध्यक्ष
3. समस्त विभागाध्यक्ष शैक्षिक एवं शिक्षेत्तर विभाग
4. विद्यालय प्रभारी/शारदा मंदिर/शाकुन्तलम्/आचार्य सरस्वती मंदिर
5. निजी सचिव, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कुलपति/कोषाध्यक्ष/सहकुलपति

वनस्थली विद्यापीठ

1 अक्टूबर, 2020.

-: सूचना :-

सत्य और अहिंसा जैसे शक्तिशाली हथियारों से भारत को आजादी का सूरज दिखाने वाले सहनशीलता, मानवता एवं अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर विद्यापीठ में **शुक्रवार**, दिनांक 2 **अक्टूबर**, 2020 को प्रातः **10:00 बजे सुर मंदिर** में सर्वधर्म प्रार्थना होगी।

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव प्रार्थना सभा में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

22 अक्टूबर, 2020.

-: सूचना :-

मातृशक्ति पूजन का महापर्व **दुर्गाष्टमी** विद्यापीठ में **शनिवार**, दिनांक 24 **अक्टूबर, 2020** को मनाया जायेगा। इस दिन **'माता के भजन'** का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में इच्छुक कार्यकर्ता भाई-बहिन सादर आमंत्रित है।

समय	:	**सायं 7:00 बजे**
स्थान	:	**सीता सावित्री चौक, श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर**
कार्यक्रम	:	**भजन प्रस्तुति**

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव प्रार्थना में सभी कार्यकर्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

प्रकाशोत्सव

26 नवम्बर, 2020.

सिक्ख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरू गुरूनानक देवजी का जन्मदिवस प्रतिवर्ष कार्तिक माह की पूर्णिमा को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

विद्यापीठ में **सोमवार**, दिनांक **30 नवम्बर, 2020** को प्रकाशोत्सव मनाया जायेगा। इस अवसर पर विद्यापीठ में शबद कीर्तन एवं भजन होंगे। सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिन इस मंगलमय अवसर पर आमंत्रित है।

समय : प्रातः 9:00 बजे

स्थान : ज्ञान मंदिर के सामने लॉन

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे कार्यक्रम स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे। अन्य कार्यकर्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

15 अक्टूबर 2020.

-: सूचना :-

शारदीय नवरात्रा का प्रथम दिन माँ दुर्गा की आराधना का पर्व है। वनस्थली प्राँगण में स्त्री शक्ति की स्रोत एवं विद्यापीठ के निर्माण की प्रेरणा पुँज शांताबाई के जन्म एवं वनस्थली विद्यापीठ की स्थापना के उल्लास का भी पर्व है। इस हर्ष एवं उल्लास के पर्व के अवसर पर शांताबाई को याद करते हुए प्रतिपदा **शनिवार,** दिनांक **17 अक्टूबर, 2020** को शांताबाई का जन्मदिन एवं वनस्थली विद्यापीठ का स्थापना दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर पर नीचे लिखे अनुसार कार्यक्रम होगाः

स्थान : श्री शांता सदन, श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर

समय : प्रातः 10:00 बजे

कार्यक्रम

1. मंगलाचरण
2. सा विद्या या विमुक्तये
3. गीत, ''तुम्हारी सी जीवन की ज्योति, हमारे जीवन में उतरे''
4. पुष्प समर्पण
5. संकल्प पाठ
6. सम्बोधन
7. सर्वस्तरतु दुर्गाणि ..... सर्वत्र नन्दतु।

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे कार्यक्रम स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे। अन्य कार्यकर्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

18 अक्टूबर, 2020.

-: सूचना :-

परम चैतन्य जीवनी शक्ति एवं ऊर्जा देने वाली आदि शक्ति माँ भवानी की आराधना का इतिहास अति प्राचीन एवं गौरवशाली है। आस्था और विश्वास के साथ-साथ शक्ति के संतुलन का अद्भुत, अभिभूत करने वाला, आसुरी शक्तियों के ऊपर दैवीय शक्तियों की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला, मातृशक्ति पूजन का महापर्व दुर्गाष्टमी विद्यापीठ में **शनिवार, दिनांक 24 अक्टूबर, 2020** को मनाया जायेगा। साथ ही इसी दिन विद्यापीठ की सह-संस्थापक पूज्य भाभूजी जो कि स्वयं नारी शक्ति का प्रतीक एवं प्रेरणा स्रोत रही हैं उनकी 22 वीं पुण्य तिथि पर प्रार्थना होगीः

समय : **प्रातः 10:00 बजे**

स्थान : **सीता सावित्री चौक, श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर**

कार्यक्रम:-
1. दुर्गा पूजा
2. प्रार्थना का कार्यक्रम - संगीत विभाग द्वारा
3. भजन प्रस्तुति - संगीत विभाग द्वारा
4. माँ दुर्गा की आरती

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव प्रार्थना में सभी कार्यकर्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे प्रार्थना स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे, अन्य कार्यकर्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

रविवार, दिनांक **25 अक्टूबर, 2020** को दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन होगा।

समय : सायं 4:30 बजे

वनस्थली विद्यापीठ

20 नवम्बर 2020.

-: सूचना :-

विद्यापीठ के संस्थापक पं. हीरालाल शास्त्री (जिन्हें सभी आपाजी के नाम से जानते हैं) के 122 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में दिनांक **24 नवम्बर, 2020** को **प्रात: 10:00 बजे सीता सावित्री चौक, श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर** में सर्वधर्म प्रार्थना होगी।

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव प्रार्थना सभा में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे प्रार्थना स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्त्ता ही प्रवेश कर पायेंगे, अन्य कार्यकर्त्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

-: सूचना :-

21 दिसम्बर, 2020.

ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह (यीशु मसीह) का जन्म दिन पूरे विश्व में क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है। ईस्वी सदी का प्रारंभ इसी दिन से माना जाता है।

क्रिसमस पर्व की **पूर्व संध्या पर** सुर मंदिर में प्रार्थना का आयोजन किया जाएगा। कार्यकर्त्ता भाई-बहिन इस प्रार्थना सभा में आमंत्रित हैं।

दिनांक	:	**24 दिसम्बर, 2020**
समय	:	**सायं: 5:30 बजे**
स्थान	:	**सुर मंदिर**

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे कार्यक्रम स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे। अन्य कार्यकर्त्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ.

वनस्थली विद्यापीठ

24 दिसम्बर, 2020.

-: सूचना :-

विद्यापीठ के संस्थापक पं. हीरालाल शास्त्री (जिन्हें हम सभी आपाजी के नाम से जानते है) की **46वीं पुण्य तिथि पर सोमवार, दिनांक 28 दिसम्बर, 2020 को प्रातः 9:15 बजे जीवन विहार (ब्रह्म मंदिर)** पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया जायेगा।

सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों से अपेक्षा है कि वे समयानुसार अपना स्थान ग्रहण कर लें। इस दिन सामान्य कार्य प्रातः 11:00 बजे तक स्थगित रहेगा।

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे कार्यक्रम स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे। अन्य कार्यकर्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

7 जनवरी, 2021.

-: सूचना :-

परम पूज्य दादा के जन्मदिवस के अवसर पर **शुक्रवार** दिनांक **8 जनवरी, 2021** एवं **शनिवार** दिनांक **9 जनवरी, 2021** को मंच कला विभाग द्वारा संगीत एवं नृत्यांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

कार्यक्रम स्थल	:	**सुर मंदिर सभागार**
समय	:	**सायं 6:00 बजे**

9 जनवरी, 2021 को कार्यक्रम आरंभ होने से पहले दादा द्वारा गांधीजी के सिद्धान्तों एवं रणनीतियों पर संपादित पुस्तक **'WAR WITHOUT ARMS'** का विमोचन भी होगा।

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे कार्यक्रम स्थल पर पहले पहुँचने वाले 50 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ कार्यक्रम में आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1. डीन, एडमिनिस्ट्रेशन/इंस्ट्रक्शन
2. समस्त संकायाध्यक्ष
3. समस्त विभागाध्यक्ष, शैक्षणिक एवं शिक्षेत्तर विभाग
4. विद्यालय प्रभारी/आचार्य, शारदा मंदिर/शाकुन्तलम्/सरस्वती मंदिर
5. निजी सचिव, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कुलपति/कोषाध्यक्ष/सहकुलपति

वनस्थली विद्यापीठ

15 जनवरी, 2021.

-: सूचना :-

देश के **72वें** गणतन्त्र दिवस पर हम सभी अपने देश एवं राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान देने के लिए **26 जनवरी, 2021** को **प्रातः 10:00 बजे** विद्यापीठ के लक्ष्मीबाई मैदान में एकत्रित होंगे। कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा:

1. ध्वजारोहण
2. राष्ट्रगान
3. सम्बोधन
4. राष्ट्रीय गीत

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतः ध्वजारोहण कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच कम से कम 2 मीटर दूरी आवश्यक होगी व अन्य सभी दिशा-निर्देशों की अनुपालना करनी होगी।

ध्यान रहें कि परेड ग्राउण्ड पर पहले 100 व्यक्ति ही जा पायेंगे, अन्य सभी को ध्वजारोहण दूर से ही देखना होगा। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ परेड ग्राउण्ड में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यपीठ

प्रतिलिपि सूचनार्थः

1. डीन, एडमिनिस्ट्रेशन/इंस्ट्रक्शन
2. समस्त संकायाध्यक्ष
3. समस्त विभागाध्यक्ष शैक्षिक एवं शिक्षेत्तर विभाग
4. विद्यालय प्रभारी/आचार्य, शारदा मंदिर/शाकुन्तलम्/आचार्य सरस्वती मंदिर
5. निजी सचिव, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कुलपति/कोषाध्यक्ष/सहकुलपति

वनस्थली विद्यापीठ

20 जनवरी, 2021.

–: सूचना :–

सहनशीलता और मानवता के प्रति आदर के लिए दुनिया भर में विख्यात और भारत को आजादी का सूरज दिखाने वाले सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि **30 जनवरी, 2021** को **गांधी पुण्य तिथि** के अवसर पर कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगा :-

1.	सामूहिक मौन	पूर्वाह्न 11:00 बजे	अपने-अपने स्थानों पर
2.	सर्वधर्म प्रार्थना प्रसारण	सायं 5:30 बजे	

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

प्रतिलिपि सूचनार्थः

1. डीन, एडमिनिस्ट्रेशन/इंस्ट्रक्शन
2. समस्त संकायाध्यक्ष
3. समस्त विभागाध्यक्ष शैक्षिक एवं शिक्षेत्तर विभाग
4. विद्याालय प्रभारी/आचार्य, शारदा मंदिर/शाकुन्तलम्/आचार्य सरस्वती मंदिर
5. निजी सचिव, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कुलपति/कोषाध्यक्ष/सहकुलपति

वनस्थली विद्यापीठ

10 फरवरी, 2021.

-: सूचना :-

ऋतुओं के अनुरूप होने वाले प्रकृति परिवर्तन, अपने नूतन अलौकिक शक्ति के आकर्षण से सम्पन्न बसंत (जिसे ऋतुओं का राजा भी कहते है) का ठाठ निराला है। शीत ऋतु के अन्त में और बसंत ऋतु के शुभागमन पर माघ शुक्ल पक्ष पंचमी तिथि को **बसंत पंचमी या श्रीपंचमी** भी कहते है। बसंत पंचमी के दिन को समस्त सृष्टि और प्रकृति की स्त्रोत माँ सरस्वती के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन प्रकृति अपने सबसे मनोहर रूप में होती है। यह पर्व पूरे भारत सहित पश्चिमोत्तर बांग्लादेश, नेपाल और अन्य कई राष्ट्रों में बड़े उल्लास से मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में विद्यापीठ परिसर में विद्या की देवी सरस्वती का पूजन **मंगलवार**, दिनांक **16 फरवरी, 2021** को किया जायेगा। विद्यापीठ के सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिन इस कार्यक्रम में उपस्थित होने का कष्ट करें।

स्थान : सुर मंदिर

समय : प्रातः 10.30 बजे

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव प्रार्थना में सभी कार्यकर्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे प्रार्थना स्थल पर पहले पहुँचने वाले 100 व्यक्ति ही प्रवेश कर पायेंगे, अन्य कार्यकर्ता बाहर से ही प्रार्थना में सम्मिलित हो सकेंगे। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ प्रार्थना सभा में आने की अनुमति नहीं होगी।

प्रतिमा का विसर्जन इसी दिन **सायं 5.00 बजे** होगा।

सहकुलपति

वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

22 मार्च, 2021.

-: सूचना :-

रंगों का त्यौहार होली **रविवार**, दिनांक **28 मार्च, 2021** को परम्परागत रूप से मनाया जायेगा। पुराणों के अनुसार इस दिन अधर्मी राजा हिरणाकश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद (जोकि भगवान विष्णु का परम् भक्त था) को अपनी बहिन होलिका के साथ अग्नि में जलाने हेतु बैठाया। होलिका को यह वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती किन्तु ईश्वर कृपा से होलिका अग्नि में जल गई तथा भक्त प्रहलाद बच गया। बुराई पर अच्छाई की जीत तथा नयी फसल के आगमन से लोगों के मन में अपार खुशी और उमंग रहती है। इसी उपलक्ष्य में फाल्गुन माह की पूर्णिमा को होली जलाकर तथा दूसरे दिन धुलण्डी के दिन भेद-भाव मिटाकर एक दूसरे पर रंग लगाकर लोग अपना उल्लास प्रकट करते हैं।

होली के इस पावन अवसर पर विद्यापीठ परिसर में भी **रविवार**, दिनांक **28 मार्च, 2021 को शारदा मंदिर के सामने सायं 7:30 बजे** होलिका दहन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में सभी कार्यकर्त्ता भाई-बहिन आमंत्रित है।

मौजूदा परिस्थितियों में हमारा दायित्व है कि सभी आयोजन भारत सरकार, राजस्थान सरकार, WHO व ICMR द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित किये जावें। अतएव होलिका दहन कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ता भाई-बहिनों को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा, सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी व्यक्तियों के बीच में कम से कम 2 मीटर की दूरी आवश्यक होगी।

ध्यान रहे होलिका दहन स्थल पर पहले पहुँचने वाले 200 कार्यकर्ता ही प्रवेश कर पायेंगे, अन्य सभी को होलिका दहन कार्यक्रम दूर से ही देखना होगा। कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन के साथ होलिका दहन स्थल पर आने की अनुमति नहीं होगी।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

वनस्थली विद्यापीठ

22 अप्रैल, 2021.

-: सूचना :-

जैसा कि आप सभी को विदित है कि 25 अप्रेल, 2021 का दिन वनस्थली विद्यापीठ की प्रेरणापुँज शाश्वत शांताबाई की पुण्य तिथि होने के कारण हमारे लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है। मौजूदा परिस्थितियों में भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना में **रविवार,** दिनांक **25 अप्रेल, 2021** को निम्न कार्यक्रमों का प्रसारण **प्रातः 9:00 बजे रेडियो वनस्थली/उद्‌बोधन** द्वारा किया जायेगाः

1. मौत जिसको कह रहे वह जिन्दगी का नाम है .....
2. भावना प्रणतिः भारतीय संस्कृति में सच्ची .....नमो नमो
3. तुम्हारी सी जीवन की ज्योति हमारे जीवन में उतरे।
4. श्लोकः सर्वस्तरतु दुर्गाणि सर्वो भद्राणि पश्यतु।
   सर्वः कामानवाप्नोतु सर्वः सर्वत्र नन्दतु। ।

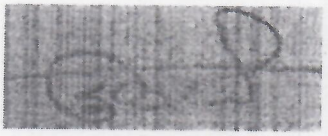

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः

1. डीन एडमिनिस्ट्रेशन/डीन इंस्ट्रक्शन
2. समस्त संकायाध्यक्ष
3. समस्त विभागाध्यक्ष, शैक्षणिक एवं शिक्षेत्तर विभाग
4. विद्यालय प्रभारी/आचार्य, शारदा मंदिर/शाकुन्तलम्/सरस्वती मंदिर
5. निजी सचिव, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कुलपति/कोषाध्यक्ष/सहकुलपति

वनस्थली विद्यापीठ

9 मई, 2021.

-: सूचना :-

जैसा कि आप सभी को विदित है कि हमारे देश में अक्षय तृतीया को अत्यन्त पवित्र दिन माना गया है। इस दिन कोई भी शुभ कार्य बिना मुहूर्त देखे प्रारम्भ किया जा सकता है। यह विद्यापीठ के लिए विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि सन् 1929 में इसी दिन विद्यापीठ के संस्थापक परम पूज्य आपाजी वनस्थली आये थे। इस अवसर पर विद्यापीठ में प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के दिन सीता-सावित्री चौक, श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर में सभा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष उनके वनस्थली आगमन की 92वीं वर्षगांठ है।

मौजूदा परिस्थितियों में पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम एवं केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की अनुपालना में **शुक्रवार**, दिनांक **14 मई, 2021 को अक्षय तृतीया पर होने वाले निम्न कार्यक्रमों का प्रसारण प्रातः 9:00 बजे रेडियो वनस्थली तथा उद्‌बोधन द्वारा किया जायेगा:**

1. गणपत लाडला
2. सपनो आयो एक घणौ जबरो रै ..... सपनो आयो (गाना-सपनो आयो)
3. राग रहित हो
4. गाना- सुख सम्पद बीच रहो.....
5. श्लोक : सर्वस्तरतु दुर्गाणि ..... सर्वत्र नन्दतु।

सहकुलपति
वनस्थली विद्यापीठ

Excerpts of reports from various departments

Department of Journalism and Mass Communication

- Department of Journalism and Mass Communication organized a day-long webinar on the theme "The Contribution of Mahatma Gandhi to Journalism" on the eve of Gandhi Jayanti (02.10.2021).

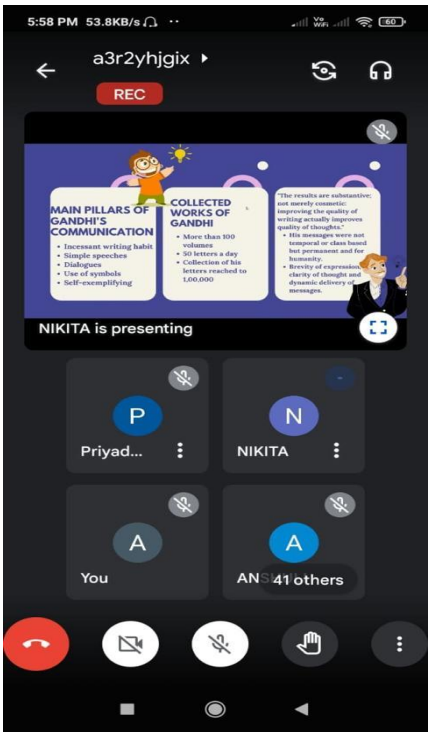

Students of the department presented their research papers virtually on the given theme. Head of the Department, Dr. Lokesh Sharma along with faculty members, was also present at the event. In the presentations, Students shed light on different dimensions of the man of the millennium, Mahatma Gandhi and his journalistic acumen. Coordinator of the webinar, Dr. priyadarshini Kiran congratulated the students on their insightful presentations and overwhelming participation.

- Department of Journalism and Mass Communication, Banasthali Vidyapith virtually celebrated 73rd Republic Day organized by the BA (JMC) VI Semester students of Event Management and their team KISSE Event Company.

The event showcases the patriotic fervor and praises the constitution of our country. Numerous Educational Institutions remain shut. To fill up this void within campus celebrations Banasthali Students celebrated virtual day Event to refresh the patriotic fervor and to praise the constitution of our country. A plethora of activities were organized to infuse the spirit of unity, brotherhood and patriotism among the students. The students were also sensitized about the Fundamental Rights and Fundamental duties. The students presented videos showcasing the history and significance of Republic Day followed by a motivational talk highlighting the duties & rights of citizens. They tried to portray how the citizens remember their rights but when it comes to fundamental duties they become blank. Head of Department, Dr. Lokesh Sharma and Dr. Umang Gupta, Assistant Professor inspired the students with their motivational words and told all the students to abide by the constitution of their motherland and fulfill all their duties as responsible citizens. The event concluded with the rendition of the preamble.

Vishwa Karma Pooja at BVGFC

Lord Vishwakarma is regarded as the creator of the world, science of mechanics and architecture. To mark his birth anniversary, *Vishwa Karma Jayanti* was celebrated with all devotion on 17th September, 2020 at Maintenance Hangar. Celebration was started by offering flowers and worshiping the idols by Prof. Siddharth Shastri, President, Banasthali Vidyapith Gliding and Flying Club along with Staff members.

Deepawali Pooja at BVGFC

Banasthali Vidyapith endeavours to stay rooted with the Indian culture and celebrate all festivals devotedly. In this direction, Gliding and Flying Club, Banasthali Vidyapith celebrated Deepawali, the festival of lights and delight with a great zeal. It was marked with decoration and sweets on 14th November, 2020. Prof. Siddharth Shastri, President, Banasthali Vidyapith offered Aircraft's pooja along with Staff members in accordance with COVID-19 protocols.

International Civil Aviation Day

To recognize the importance of aviation, especially international air travel, for the social and economic development of the world, **International Civil Aviation Day** is celebrated on 7th of December every year. The purpose is to generate and reinforce worldwide awareness of the importance of international civil aviation to the social and economic development of States, and of the unique role of ICAO in helping States to cooperate and realize a global rapid transit network at the service of all mankind. Each year it celebrates *the Years Beyond of Connecting World*.

The Flying club at Vidyapith celebrated "International Civil Aviation Day" on 7th December, 2020 with an enthusiastic participation of staff members in accordance with COVID-19 protocols.

वार्षिक प्रतिवेदन

मंच कला विभाग (संगीत, नृत्य एवं नाट्य)

भारतीय संस्कृति के द्योतक विभिन्न पर्व एवं त्यौहारों को विद्यापीठ अत्यन्त उत्साहपूर्वक मनाती है जिसमें मंच कला विभाग की प्रस्तुतियाँ प्रमुख आकर्षण होती हैं। इस वर्ष भी समृद्ध परम्परा का कुशलतापूर्वक निर्वाह करते हुए विभिन्न पर्वों पर वनस्थली विद्यापीठ ने कोविड–19 की असाधारण परिस्थितियों में न केवल शैक्षिक सत्र 2020–21 को बिना किसी व्यवधान के, पूरी सुरक्षा और गुणवत्ता के साथ जारी रखा अपितु राष्ट्रीय और सांस्कृतिक महत्व के अवसरों को मनाने की अपनी परम्परा को भी यथासम्भव बनाए रखा। इन अवसरों पर भारत सरकार, राजस्थान सरकारए ॅभ्ब व प्ब्डत्त द्वारा जारी दिषा–निर्देषों और 'सोषल डिस्टेंसिंग' के मानकों का पूर्ण रूप से अनुपालन करते हुए विद्यापीठ में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गए –

- वनस्थली विद्यापीठ में देष के **74वें स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त, 2020)** के उपलक्ष पर ध्वजारोहण किया गया साथ ही षिक्षकगणों द्वारा राष्ट्रगान व वन्देमात्‌रम प्रस्तुत किया गया।

- **22 अगस्त, 2020** को विद्यापीठ में **गणेष चतुर्थी** का आयोजन किया गया जिसमें गणेष पूजन के साथ–साथ सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा शास्त्रीय रागों पर आधारित भजन प्रस्तुत किये गये।

- **02 अक्टूबर, 2020** को **राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती** पर सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा गांधीजी को प्रिय लगने वाले भजनों की प्रस्तुती दी गई।

- **17 अक्टूबर, 2020** को **नवरात्रि स्थापना, शांताबाई के जन्मदिवस** व **वनस्थली विद्यापीठ के स्थापना दिवस** के अवसर पर संस्कृत व संगीत के षिक्षकगणों द्वारा शान्ति पाठ व *तुम्हारी सी जीवन की ज्योति* गीत प्रस्तुत किया गया।

- मातृषक्ति पूजन का महापर्व **दुर्गाष्टमी** व **भाभूजी की पुण्यतिथि** विद्यापीठ में **24 अक्टूबर, 2020** को मनाई गई जिसमें दुर्गा प्रतिमा की पूजा–अर्चना की गई व सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा भाभूजी के प्रिय गीत व माता के भजन प्रस्तुत किये गये।

- वनस्थली विद्यापीठ के संस्थापक **पं. हीरालाल शास्त्री जी (आपाजी) के 122वें जन्मदिवस** के अवसर पर **24 नवम्बर, 2020** को सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना व आपाजी द्वारा रचित व उनको प्रिय लगने वाले गीतों की प्रस्तुती दी गई।

- **30 नवम्बर, 2020** को सिक्ख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु **गुरुनानक देवजी का जन्मोत्सव** सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा शबद, कीर्तन व भजन प्रस्तुत कर मनाया गया।

- ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह का जन्म दिन **25 दिसम्बर** पूरे विष्व में क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है इस अवसर पर विद्यापीठ में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर **24 दिसम्बर, 2020** को प्रार्थना का आयोजन किया गया ।

- **28 दिसम्बर, 2020** को **परमपूज्य आपाजी की 46वीं पुण्य तिथि** के अवसर पर आपाजी को श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा आपाजी के प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किये गये।

- **26 जनवरी, 2021** को **गणतन्त्र दिवस** के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया साथ ही षिक्षकगणों द्वारा **राष्ट्रगान** व **वन्दे मातरम्** की प्रस्तुति दी गई।

- **13 फरवरी, 2021** को **बसन्त पंचमी** के शुभ अवसर पर विद्या दायिनी वाग्देवी वीणा वादिनी मां सरस्वती की स्तुति के साथ मंत्रोच्चारण व माल्यार्पण के पश्चात् सुर परिवार के षिक्षकगणों द्वारा सामूहिक रूप से शास्त्रीय रागों पर आधारित सरस्वती वन्दना व भजन प्रस्तुत किये गये।

प्रो. दिवाकर शास्त्री जयंती समारोह

परमपूज्य दादा प्रो. दिवाकर शास्त्री जी के **जयंती समारोह** के उपलक्ष में **दिनांक 8 व 9 जनवरी, 2021** को वनस्थली विद्यापीठ में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये इसी श्रृंखला में सुर परिवार के गुणीजनों द्वारा परम पूज्य दादा को सुरमयी श्रृद्धांजलि अर्पित करने हेतु विविध कार्यक्रम मंच कला विभाग के सुर मंदिर सभागार में प्रस्तुत किये गये। **8 जनवरी, 2021** को सुरमयी संध्या का शुभारम्भ ''तीनताल'' में ताल कचहरी के कार्यक्रम से किया गया। इसके अंतर्गत बनारस, दिल्ली तथा लखनऊ आदि घरानों की झलकियाँ प्रस्तुत की गई। कलाकारों के द्वारा उठान, बाँट, कायदा, रेला एवं अंत में कुछ टुकड़े व तिहाईयाँ बजाकर ताल कचहरी का समापन किया गया। ताल कचहरी में तबला पर प्रस्तुति देने

वाले कलाकार श्री उमाषंकर, श्री हरिमोहन चक्रवर्ती, श्री नब कुमार दत्ता, श्री अमिताभ शर्मा, श्री चेतन निषाद एवं इनके साथ हारमोनियम पर संगत श्री दिनेष पाल ने की।

कार्यक्रम में अगली प्रस्तुती डॉ. विनायक शर्मा द्वारा दी गई जिन्होंने राग दरबारी में द्रुत बंदिष – 'घर जाने दे, छाँड़ मोरी बईयाँ' प्रस्तुत की जोकि पटियाला घराने की प्रख्यात गायिका बेगम परवीन सुल्ताना जी द्वारा गायी गई है। यह राग बहुत ही जटिल रागों में से एक है। मुख्य रूप से गायन में प्रयुक्त होने वाले इस राग को सितार वाद्य पर कठिन गमक व विस्तार तान के साथ प्रारम्भ में आलाप, जोड़, झाला एवं द्रुत बंदिष करते हुए अंत में तीनताल में झाला की प्रस्तुति के साथ समापन किया गया। आपके साथ तबले पर संगत श्री चेतन निषाद द्वारा की गई।

इसी क्रम में अगली प्रस्तुति के रूप में श्री दिनेष पाल द्वारा ख्याल गायन प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने छायानट राग में ख्याल के अन्तर्गत विलम्बित झूमरा ताल में और द्रूत बंदिष तीनताल में गाकर अपनी प्रस्तुती का समापन किया। आपके साथ तबले पर श्री नब कुमार दत्ता व हारमोनियम पर श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी ने संगत की।

इसी क्रम में अगली प्रस्तुति श्री रामकुमार शर्मा द्वारा एकल पखावज वादन की दी गई। उन्होंने मुख्य रूप से श्री गुरुवंदना, श्री गणेष वंदना, धकिट के प्रकार, टुकड़े, फरमाईषी परन, चक्करदार परन, कमाली परन, बाज बहेरी परन, लय की काट छाँट, धिननक के प्रकार, रेला और पंचदेव स्तुति परन आदि श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी की हारमोनियम संगत में प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम की निरंतरता को बनाये रखते हुए अगली प्रस्तुति हारमोनियम पर श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी ने दी। उन्होंने राग जोग पर आधारित दो रचनाएँ प्रस्तुत की जिसमें पहली रचना ताल–झपताल में निबद्ध और इसके पश्चात ताल–तीनताल (द्रुत लय) की रचना प्रस्तुत की। हारमोनियम में आलाप, जोड़ आलाप, बंदिषें, तानें विभिन्न लयकारियों एवं तैयारी के छंद, तिहाईयाँ, झाला सहित विषिष्ट प्रस्तुति देने का प्रयास किया गया। इस प्रस्तुति में श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी के साथ तबला संगत श्री श्याम कुमार ने की।

इसी क्रम को बनाये रखते हुए कार्यक्रम में ''निरतत ढंग'' के रूप में नृत्य की एक उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई जोकि पं. बिंदादीन महाराज विरचित अष्टपदी पर आधारित थी और

ताल रूपक में निबद्ध थी। कथावस्तु के आधार पर इसमें भगवान श्री कृष्ण एवं गोपियों के द्वारा किया गया लास्य नृत्य तथा भूतभावन भगवान षिव के तांडव का वर्णन था। जिसे कथक, भरतनाट्यम एवं मणिपुरी नृत्य के बोलों से सजाया गया था तथा जिसमें तीनों भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का अति सुन्दर समन्वय था। इस ''निरतत ढंग'' की प्रस्तुति में प्रो. वंदना चौबे, डॉ. प्रांजल कौषल, सुश्री एल. ज्ञानेष्वरी देवी, सुश्री एल. अनसुया देवी, डॉ. के. माधवी, श्रीमती रेखा तालुकदार कलिता, सुश्री राखी शर्मा, सुश्री दीक्षा साहु, श्री सुसन्ता दास, श्री रामकुमार शर्मा, डॉ. रासबिहारी दास, श्री उमाषंकर, श्री हरिमोहन चक्रवर्ती, श्री के. एच. शान्ता नन्दा, श्री अमिताभ शर्मा, श्री टी. रमेष, श्री दिनेष पाल आदि गुणीजनों ने अपना सहयोग प्रदान कर अति प्रषंसनीय बनाया।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस की अन्तिम प्रस्तुति रही विभाग की सबसे वरिष्ठ सदस्या प्रो. नीलम पारीक जी की जिन्होंने वनस्थली विद्यापीठ के राजस्थानी लोक नृत्य समूह को देष–विदेष में ख्याति प्राप्त करवाई जोकि आज भी अपनी निरंतरता बनाये हुए है। आपने प्रसिद्ध राजस्थानी लोक गीत ''आवो जी आवो म्हारे हिवड़े रा पावणा'' पर अपना अत्यंत मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। आपके साथ संगत करने वाले कलाकार थे– डॉ. रासबिहारी दास (हारमोनियम व गायन), श्री उमाषंकर (तबला), श्री लल्लु खान (नगाड़ा) व सुश्री किरन (गायन)।

दो दिवसीय सांगीतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में 9 जनवरी, 2021 को पहली प्रस्तुति विभाग के वरिष्ठ तबला वादक व मांड गायक श्री रामस्वरूप राव जी की रही जिन्होंने पूज्यनीय दादा के नाम पर एक पद राग–रागेश्री में 'झनक श्याम की पैंजनिया' प्रस्तुत करने के पश्चात एक अन्य पद 'जुग जीवो कौषल्या रानी तेरो ललना' गाया और अन्त में राग बसंत में दो बंदिष 'नई है बसंत नई सब सखियाँ' और 'फुलवा बिनत डार–डार' के साथ अपनी प्रस्तुती का समापन किया। आपके साथ श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी ने हारमोनियम व श्री रवि राव ने तबला संगत की।

कार्यक्रम के अगले प्रस्तुतकर्ता मिश्रवानी परम्परा के अग्रणी सितार वादक डॉ. संतोष पाठक रहे जिन्होंने अप्रचलित राग सिंदूरा का वादन किया जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम आलाप, जोड़, झाला से आरम्भ करते हुए तीन ताल में निबद्ध विलंबित गत मिश्रवानी

परम्परानुसार वादन करते हुए मध्यलय एवं द्रुत लय में विभिन्न लयकारियों के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आपके साथ श्री श्याम कुमार ने तबला संगत की।

कार्यक्रम की श्रृंखला को बनाये रखते हुए अगली प्रस्तुति रही प्रो. किन्षुक श्रीवास्तव की जिन्होंने अप्रचलित राग भूपेष्वरी में विलंबित झूमरा में निबद्ध बंदिष 'धरनी धाम' तथा मध्यलय एकताल में निबद्ध बंदिष 'अनहद बाजे' गाया। इसके पश्चात राग गारा में एक दादरा प्रस्तुत किया जिसके बोल थे 'सुध विसरत नाहीं'। आपके साथ हारमोनियम पर श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी, तबला वादन श्री रामकुमार शर्मा, तानपुरा पर डॉ. वन्दना शर्मा व सुश्री किरन ने संगत की।

कार्यक्रम की निरंतरता बनाये रखते हुए अगला कार्यक्रम डॉ. अंकित भट्ट ने नवीन राग हेमंत बजाकर प्रस्तुत किया जिसकी शुरूआत उन्होंने आलाप, जोड़ आलाप के साथ की व उसके पश्चात् उस्ताद अली अकबर खान साहब द्वारा रचित विलंबित गत का प्रदर्षन किया। विलंबित गत के पश्चात् पण्डित रविषंकर जी द्वारा रचित मध्य लय एक ताल की बंदिष और द्रुत लय में एक अन्य बंदिष का बधाई एवं झाला बजाया। झाले के अंत में सितार पर सवाल–जवाब का वादन किया जिसमें तबले पर उनके सवाल का जवाब श्री श्याम कुमार ने बखूबी दिया और अंत में अति द्रुत लय पर जाकर उन्होंने अपनी प्रस्तुति का समापन किया।

गायन–वादन के क्रम में अगली प्रस्तुती डॉ. सौरव कुमार नाहर की रही जिन्होंने राग पूरिया में बड़ा ख्याल विलम्बित एकताल की बंदिष ''थोड़े–थोड़े दिनन की नवल दुलहिया'', मध्यलय तीनताल की बंदिष ''डगर चलत दिनो गारी गुईया मोहे'' और द्रुतलय तीनताल की बंदिष ''सपने में आयो री'' की मनमोहक प्रस्तुति दी। आपके साथ तबले पर श्री अमिताभ शर्मा, हारमोनियम पर श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी और तानपुरे पर सुश्री किरन ने संगत की।

दो दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में अंतिम प्रस्तुती रही वाद्य वृंद वादन (फ्यूज़न) की जोकि विभाग के गुणीजनों द्वारा दी गई। यह दो भागों में प्रस्तुत किया गया और जिसमें शास्त्रीय, पाष्चात्य व लोक वाद्यों का प्रयोग बहुत ही खूबसूरती से किया गया। वाद्य वृंद वादन (फ्यूज़न) के पहले भाग में पूज्यनीय दादा के नाम से शुरू होने वाले राग श्याम

कल्याण पर आधारित 12 मात्रा के ऑफ बीट पेटर्न के साथ संयोजन करते हुए प्रस्तुति दी गई व दूसरे भाग में राजस्थानी रंग बिखेरती हुई प्रसिद्ध लोक धुनें गाई व बजाई गई। विभाग के कलाकारों ने इस वाद्य वृंद वादन (फ्यूज़न) को बहुत ही खुबसूरती से प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में विभाग के कुल 21 कलाकारों ने अपना सहयोग दिया जिनके नाम इस प्रकार से हैं – डॉ. सुजीत देवघरिया (वायलिन), डॉ. कुमार नबजीत नारायण देब (वायलिन), श्री देबजीत चक्रवर्ती (सितार), डॉ. ऐष्वर्या भट्ट (सितार), श्री राजेन्द्र प्रसाद बनर्जी (हारमोनियम, मंजीरा, अपंग), श्री श्याम कुमार (तबला, ढ़ोलक), श्री हरिमोहन चक्रवर्ती (बांसुरी,ष्षहनाई), श्री नबकुमार दत्ता (वेस्टर्न ड्रम), डॉ. रासबिहारी दास (श्रीखोल, ढफली), श्री उमाषंकर (तबला), श्री रामकुमार शर्मा (पखावज, मंजीरा), श्री चेतन निषाद (पखावज, बपंग), श्री दिनेष पाल (गायन, स्वरमंडल), श्री के. एच. शान्ता नन्दा (पुंग, खंजरी), श्री लल्लु खान (गायन, नगाड़ा), डॉ. वन्दना शर्मा (गायन), सुश्री किरन (गायन, खड़ताल), श्रीमती ज्योति वर्मा (सितार), श्री भवानी शंकार राव (सिन्थेसाईज़र), श्री टी. रमेष (मृदंग, मटकी), श्री मो. अजीज़ (ऑक्टापेड, ढ़ोलक)।

दो दिवसीय कार्यक्रम की सभी प्रस्तुतियाँ बहुत ही शानदार व आकर्षक रहीं और सभागार में उपस्थित सुधीजनों ने सभी प्रस्तुतियों को अत्यधिक सराहा। कार्यक्रम के उपरांत प्रस्तुती देने वाले सभी कलाकारों को आदरणीय प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री जी व आदरणीय प्रो. आदित्य शास्त्री जी द्वारा प्रषस्ति–पत्र प्रदान किये गये।

- भारत विविध संस्कृतियों का देष है। वनस्थली विद्यापीठ भारत की इस सांस्कृतिक धरोहर को अत्यन्त भव्यता से सहेजे व समेटे गतिमान है। इसी सांस्कृतिक स्वरूप की गत्यात्मकता को प्रभावी ढंग से बनाये रखने में मंच कला विभाग की भूमिका विषिष्ट बन जाती है। श्रेष्ठ से श्रेष्ठ प्रस्तुति हेतु मंच कला विभाग निरन्तर प्रयत्नषील रहकर गरिमा बढ़ाने में सहयोग देता रहा है।

Department of Psychology

PSYNERGY CLUB ACTIVITIES

The Psynergy Cluboffers great dynamics during the learning sessions for students of all sections to gain some more acquaintance in completely different casing. These embraces with many activities like Quiz Competition, Group Discussion, Poster Making, and plays around the year. The club has organized World Mental Health Week from 10-16 Oct, 2020 through online mode to celebrate World Mental Health Week, 2020 in which students exhibited posters, participated in quiz, involved in group in discussion and has done power point presentation through online mood (google meet), with different messages throughout the week on theme titled **"MENTAL HEALTH OF ALL: GREATER INVESTMENT— GREATER ACCESS."**

Department of History

In addition to regular teaching assignments the department undertakes co-curricular activities under 'Jigyasa', the exploratory events series including Quiz competition, Movie Club 'Bioscope', Exhibition, Debate, Essay writing competition, specialized Faculty Lectures, etc. To develop and nurture historical aptitude among students the department has initiated students' Magazine 'Kushagraa' since 2011 and it has received wider appreciation amongst academic circles for its high scholastic quality.

Department of Visual Arts

दिनांक 2.12.2020 को विजुअल आर्ट विभाग में **Kokuyo Camlin** के सौजन्य से **" Science Behind Colors" (A Virtual Art Show)** का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के स्नातक, स्नात्तकोतर व क्रिएटिव आर्ट की कुल 101 छात्राओं के साथ षिक्षकों ने भी प्रतिभागिता निभाई। ऑनलाइन कार्यषाला में कैमलिन कम्पनी के रीजनल मैनेजर श्री असीम कौषिक तथा अन्य 7 सदस्यों की सहभागिता रही। कैमलिन कम्पनी के सलाहकार श्री चन्द्रषेखर ओझा द्वारा रंग तथा कला सामग्री के वैज्ञानिक पक्ष पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण किया गया। जिससे सभी छात्राऐं व षिक्षक लाभान्वित हुए।

Banasthali Vidyapith

National Service Scheme

Annual Report

2020-21

July 2020:

In this month volunteers did plantation work in their native places.

August 2020:

In this session in the month of august total 1557 volunteers were registered in NSS program.

Fit India Movement is a nation-wide movement in India to encourage people to remain healthy and fit. It was launched by Prime Minister of India Narendra Modi at IGS in New Delhi on 29 August 2019 (National Sports Day).

Since then and before that Banasthali Vidyapith is also promoting such types of program by motivating the involvement of children along with senior citizens. In these programs volunteers performed activities like Yoga, running, badminton, Fit India Cyclothon, Walkathons, Cycle Rally and General sports.

On 21st August 2020 *Shadbhawana* Diwash was celebrated by NSS team.

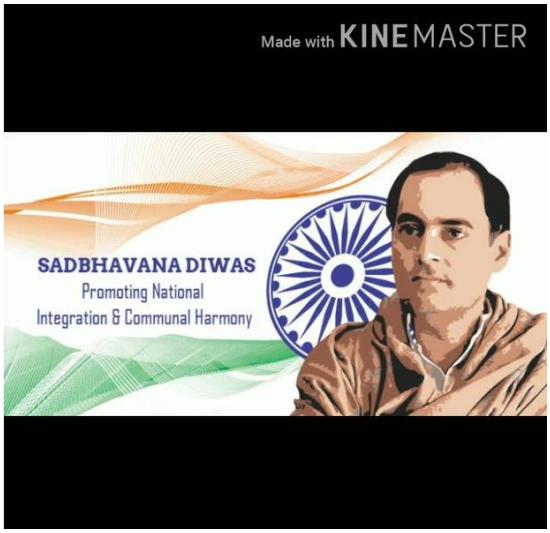

Since COVID-19 spread in all over the word as pandemic, NSS volunteers continuously prepared mask and distributing these to person in need.

Volunteers demonstrated the use of sanitizer and method of hand washing during Pandemic. Throughout the session Banasthali Vidyapith prepared the sanitizer and distributed to the people in need in Banasthali and nearby area.

Volunteers took the pledge to eradicate the CORONA virus from the world.

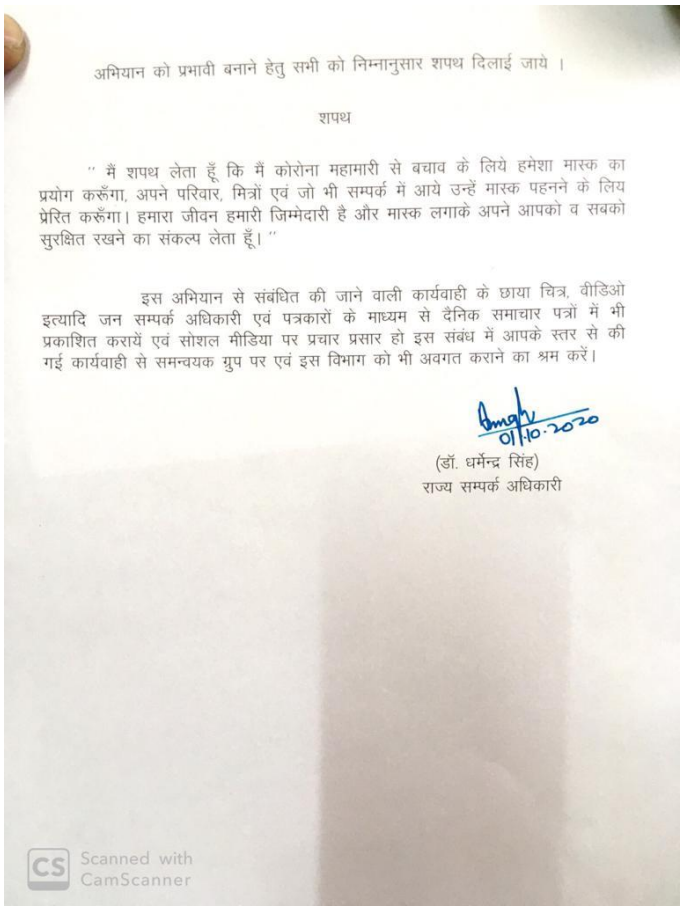

अभियान को प्रभावी बनाने हेतु सभी को निम्नानुसार शपथ दिलाई जाये ।

शपथ

" मैं शपथ लेता हूँ कि मैं कोरोना महामारी से बचाव के लिये हमेशा मास्क का प्रयोग करूँगा, अपने परिवार, मित्रों एवं जो भी सम्पर्क में आये उन्हें मास्क पहनने के लिय प्रेरित करूँगा। हमारा जीवन हमारी जिम्मेदारी है और मास्क लगाके अपने आपको व सबको सुरक्षित रखने का संकल्प लेता हूँ। "

इस अभियान से संबंधित की जाने वाली कार्यवाही के छाया चित्र, वीडिओ इत्यादि जन सम्पर्क अधिकारी एवं पत्रकारों के माध्यम से दैनिक समाचार पत्रों में भी प्रकाशित करायें एवं सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार हो इस संबंध में आपके स्तर से की गई कार्यवाही से समन्वयक ग्रुप पर एवं इस विभाग को भी अवगत कराने का श्रम करें।

01.10.2020

(डॉ. धर्मेन्द्र सिंह)
राज्य सम्पर्क अधिकारी

Scanned with CamScanner

Volunteers also distributed food and clothes during the pandemic to person in need. In the following picture Ms Anjali Verma B com II yr is distributing cooked food and clothes to people in need.

According to NSS volunteer, Chesta “This year we had a **Mission 30 M** to serve food to 30 million people across the country. I worked from home and inducted new robin volunteers and tried to arrange and collaborate with the companies for more ration kits and cooked

meals. I had a plan in my mind to why not reach out to kids in our own campus. We thus started a **MISSION LITERACY** named Precious Gems in our campus. My batch mates- Rishika Konsal, Anukriti Sharma, Riya, Vanshika, and many more joined me for the same".

September 2020

Regular activities were started in this month through online media and offline activities were performed under rule, regulation and guidelines of Central Govt. of India, ICMR and Govt. of Rajasthan. The first activity for newly registered volunteers was orientation program.

It is news of great pleasure to all of us that in this year Office of the state liaison officer: NSS & NCC Rajasthan sanctioned two more financed units to the Banasthali Vidyapith. These two

units have been sanction under coordination of Dr Rajani Chauhan. Earlier this university had 6 financial units and now from session 2020-21it has become in total 8 financed units.

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
राजस्थान सरकार
OFFICE OF THE STATE LIAISON OFFICER
कार्यालय राज्य सम्पर्क अधिकारी
NSS & NCC
एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी.
EDU - (GR-4A)Dept., ROOM NO. 8313, SSO BUILDING, SECRETARIAT, JAIPUR-302005
शिक्षा (ग्रुप–4अ)विभाग, कमरा नं. 8313, एस.एस.ओ भवन, सचिवालय, जयपुर – 302005
Email : slonssrajasthan@gmail.com

क्रमांक: प. 3(2) / शिक्षा / 4–अ / 2016 जयपुर, दिनांक 14.09.2020

कुल सचित,
वनस्थली विद्यापीठ
निवाई, जिला टोंक (राज.)

विषयः–राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र (NSS) इकाई आवंटन के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि आपके महाविद्यालय को वर्तमान में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की 06 इकाई आवंटित हैं। अब 02 इकाई और आवंटित की गई हैं, जिससे महाविद्यालय को वर्ष 2020–21 हेतु कुल 08 इकाइयां (100 स्वयं सेवक प्रति इकाई) आवंटित की गई हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई संचालन हेतु मुख्य दिशा–निर्देशों की छाया प्रति प्रेषित है।

कृपया कोविड–19 के संबंध में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर जारी की गई गाइड लाइन्स की पालना करते हुए आगामी कार्यवाही कराने का श्रम करें।

संलग्न–उपरोक्तानुसार

भवदीय,
14.09.20
(डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह)
राज्य सम्पर्क अधिकारी

Students took pledge to wear mask all the time and also aware the people about importance of mask. All the staff in Banasthali is obeying the invocation “No Mask-No Entry”

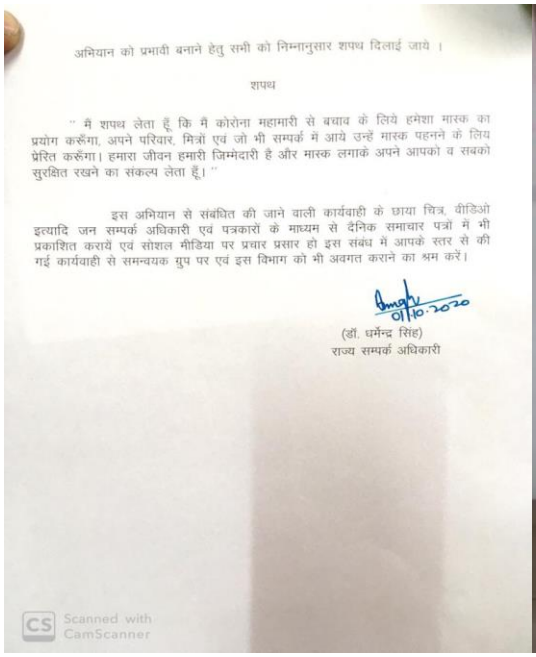

अभियान को प्रभावी बनाने हेतु सभी को निम्नानुसार शपथ दिलाई जाये ।

शपथ

" मै शपथ लेता हूँ कि मै कोरोना महामारी से बचाव के लिये हमेशा मास्क का प्रयोग करूँगा, अपने परिवार, मित्रों एवं जो भी सम्पर्क मे आये उन्हें मास्क पहनने के लिय प्रेरित करूँगा। हमारा जीवन हमारी जिम्मेदारी है और मास्क लगाके अपने आपको व सबको सुरक्षित रखने का संकल्प लेता हूँ। "

इस अभियान से संबंधित की जाने वाली कार्यवाही के छाया चित्र, वीडिओ इत्यादि जन सम्पर्क अधिकारी एवं पत्रकारों के माध्यम से दैनिक समाचार पत्रों मे भी प्रकाशित करायें एवं सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार हो इस संबंध में आपके स्तर से की गई कार्यवाही से समन्वयक ग्रुप पर एवं इस विभाग को भी अवगत कराने का श्रम करें।

01/10/2020

(डॉ. धर्मेन्द्र सिंह)
राज्य सम्पर्क अधिकारी

Scanned with CamScanner

This month was also celebrated as “Nutritional Month” among volunteers.

October 2020:

Students make aware villagers about cleanliness and hygiene on the occasion of Birth month of Mahatma Gandhi.

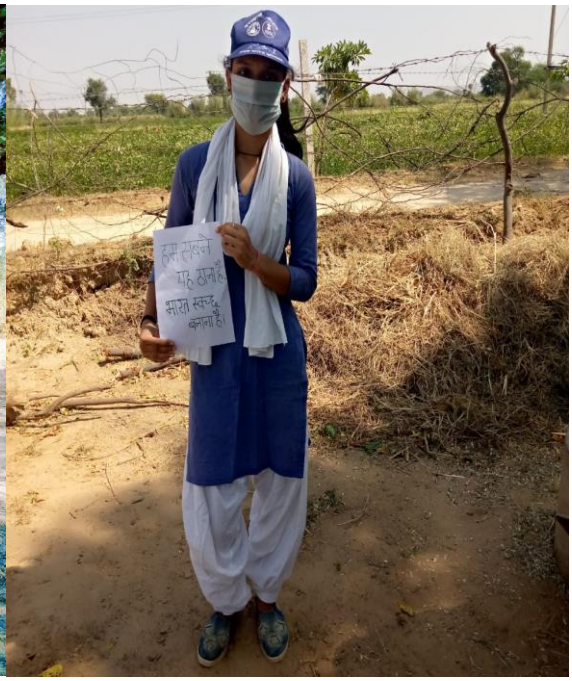

November 2020:

Volunteers were involved in improving “Old Age Mental Health”. For this students are continuously approaching the old person starting from their house. Students listened and suggested some activities to the person to keep them mentally healthy in their old age. The activities are interviewing, light games, light physical exercise, intellectual games, mental exercises etc.

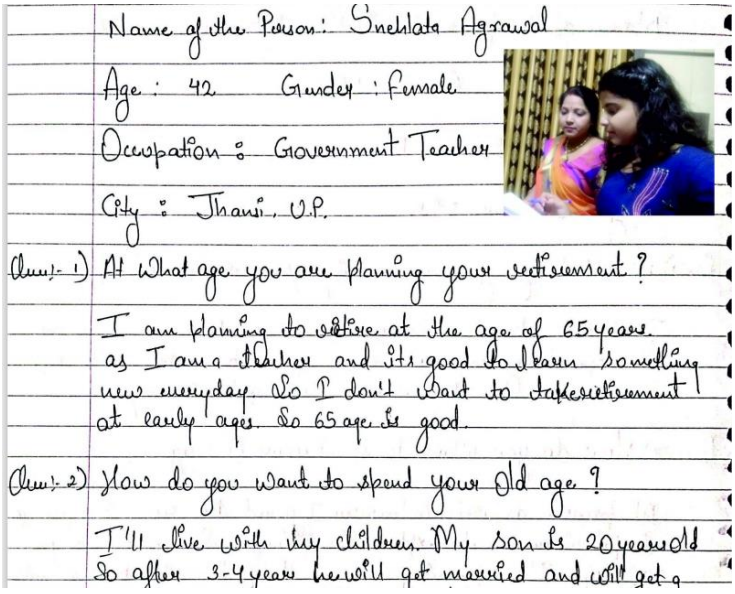
Name of the Person: Snehlata Agrawal

Age: 42 Gender: Female

Occupation: Government Teacher

City: Jhansi, U.P.

Ques:- 1) At What age you are planning your retirement?

I am planning to retire at the age of 65 years as I am a teacher and its good to learn something new everyday. So I don't want to take retirement at early ages. So 65 age is good.

Ques:- 2) How do you want to spend your old age?

I'll live with my children. My son is 20 years old so after 3-4 years he will get married and will get a

Volunteers trained the people about making of “Homemade Face-Shield” in very low cost. This is very effective tool to prevent corona virus infection. Volunteers also distributed these Home-Made shield to the people.

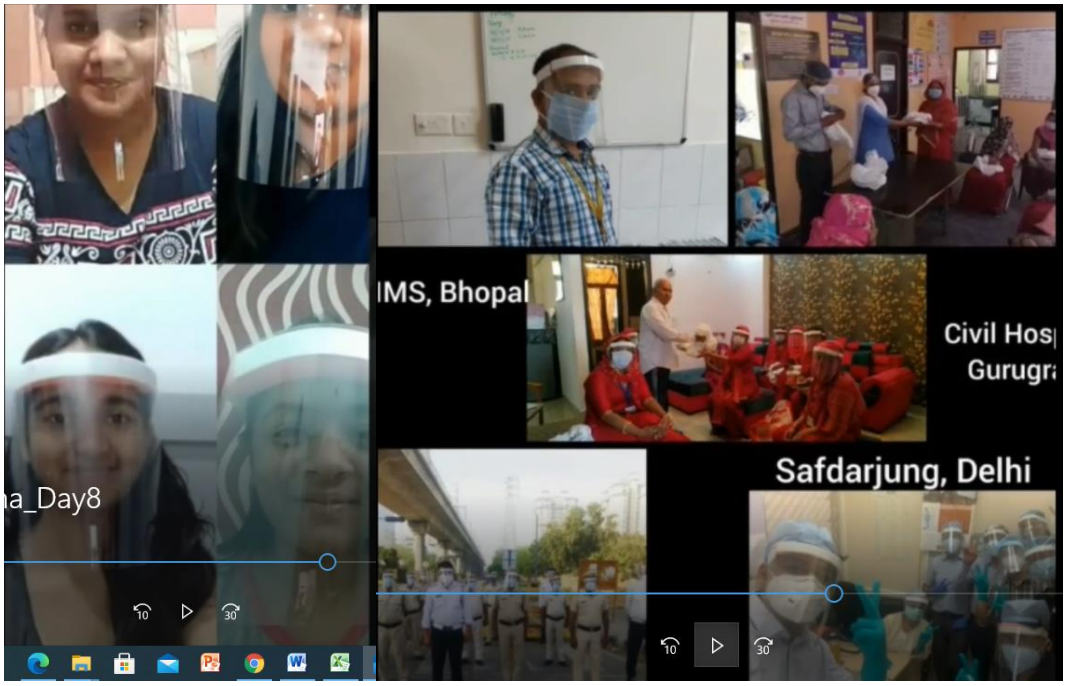

Volunteers continuously distributed mask to people and provided training on “How to use Sanitizer”. Some of volunteers got certificate of appreciation from Faculty Association AIIMS, Bhopal and other organizations.

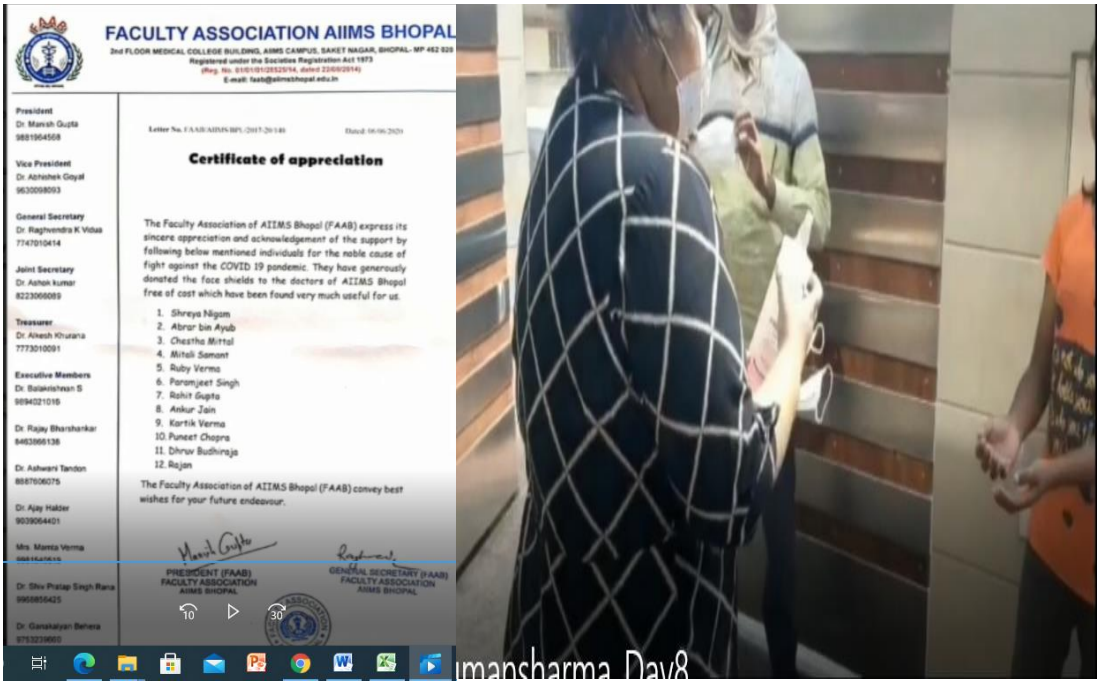

Volunteer demonstrated uses of oximeter to cross check the level of oxygen in the body. Decreased oxygen level is one of the parameter to find out the corona virus infection.

In this month volunteers took Preamble to constitution.

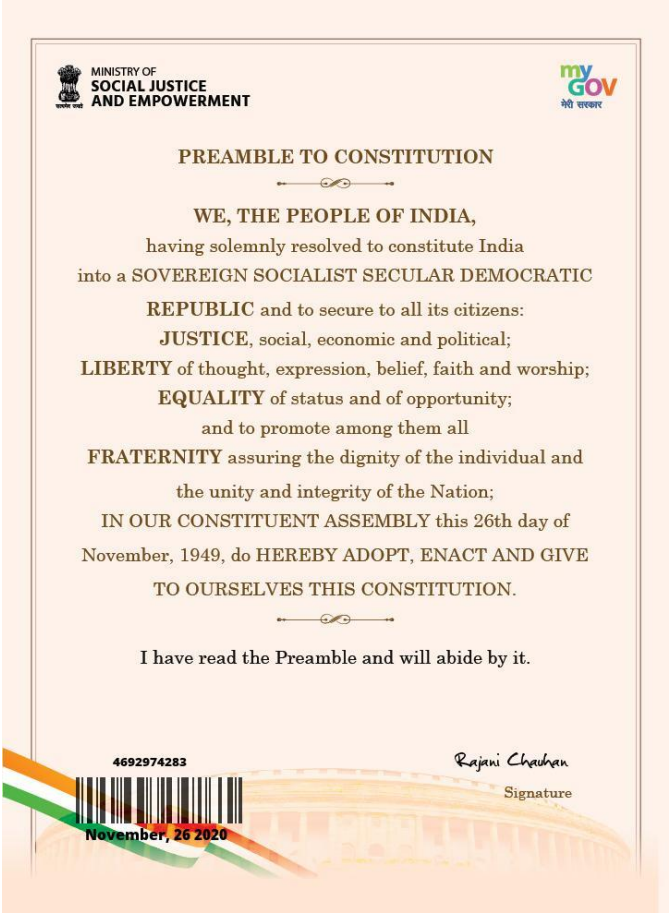

MINISTRY OF
SOCIAL JUSTICE
AND EMPOWERMENT

mygov
मेरी सरकार

PREAMBLE TO CONSTITUTION

WE, THE PEOPLE OF INDIA,
having solemnly resolved to constitute India
into a SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC
REPUBLIC and to secure to all its citizens:
JUSTICE, social, economic and political;
LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;
EQUALITY of status and of opportunity;
and to promote among them all
FRATERNITY assuring the dignity of the individual and
the unity and integrity of the Nation;
IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this 26th day of
November, 1949, do HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE
TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

I have read the Preamble and will abide by it.

4692974283

November, 26 2020

Rajani Chauhan
Signature

January 2021:

On 12 Jan 2021 Youth day and on 24 Sep 2020 Teachers day was celebrated and a work shop on road safety was organised.

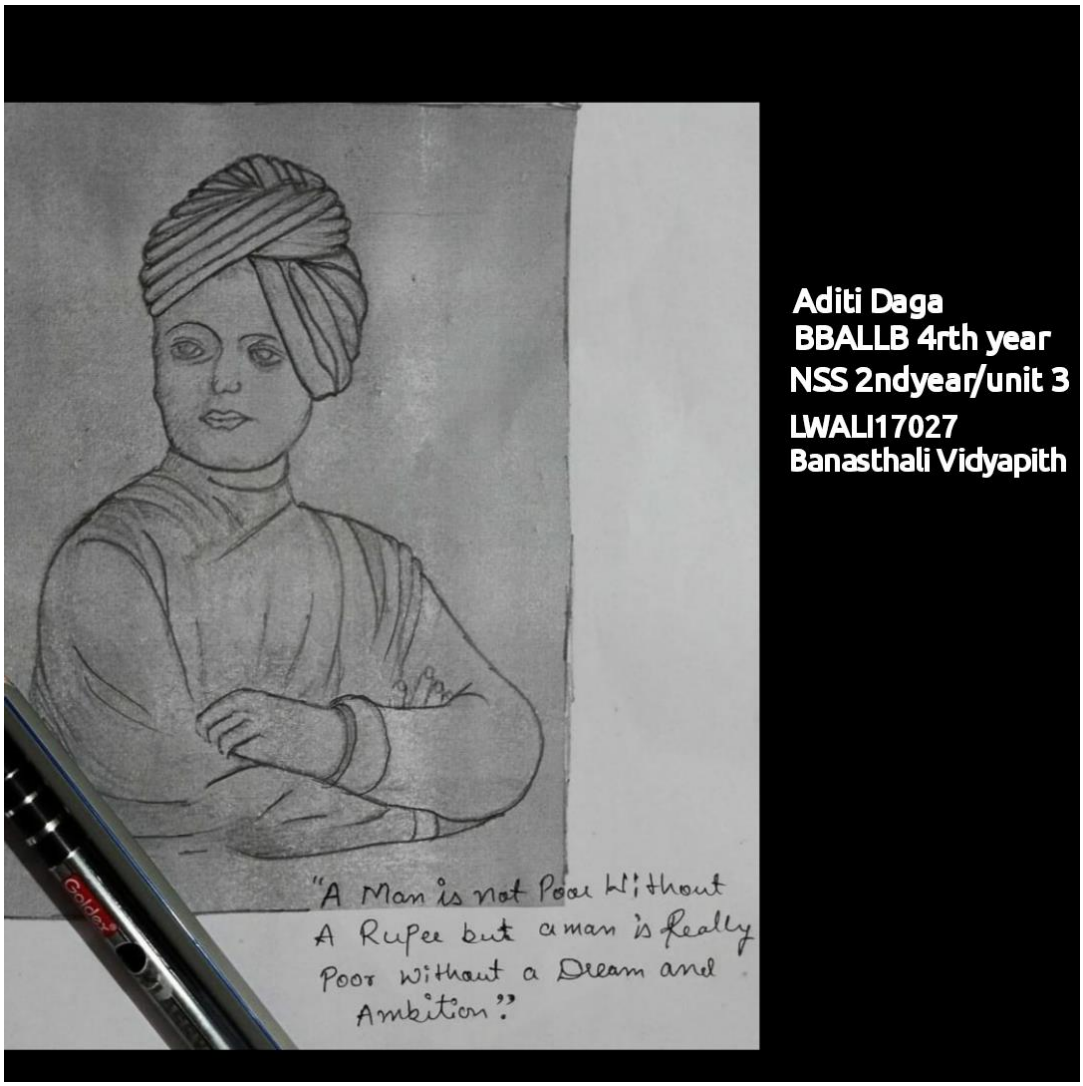

On 23 January *Parakram Diwas* was celebrated on the occasion of Birth anniversary of Netaji Subhash Chandra Bosh. Activities performed were poster making, poem reciting, poem writing, videos making.

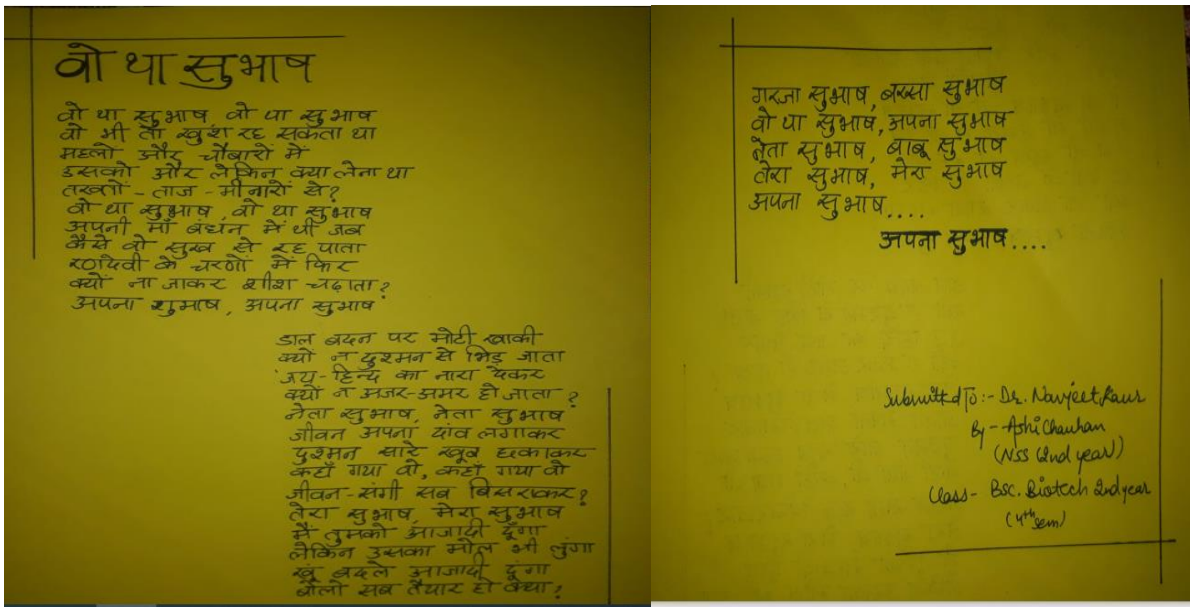

On the clarion of Vice president of Banasthali Vidyapith, Prof Shidharth Shatri on 26 January 2021 volunteers were made aware for not to waste food. In this month, volunteers helped corona warriors by serving them snacks.

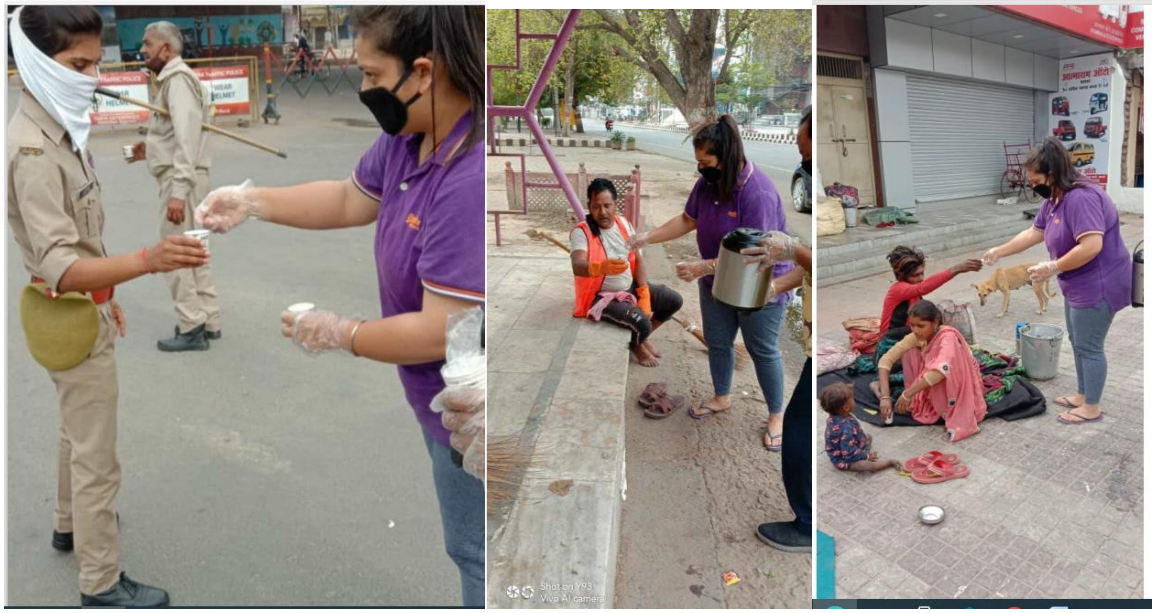

Volunteers made students aware about “National education Policy” also.

वंचित वर्ग के बच्चों की टीचर हैं तनिष्ठा

शास्त्री नगर में रहने वाली छात्रा तनिष्ठा पाराशरी वंचित वर्ग के बच्चों की स्पेशल टीचर हैं।

तनिष्ठा स्कूल के वक्त से ही सामाजिक कार्यों से जुड़ी रही हैं। उन्होंने देखा कि घरों में जो महिलाएं काम करने आती हैं, उनमें से अधिकतर के बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं। यदि स्कूल जाते भी हैं तो वह पढ़ाई के प्रति गंभीर नहीं होते हैं। तनिष्ठा ने ऐसी महिलाओं से संपर्क साधा। उनके बच्चों को बुलाकर पढ़ाई के प्रति जागरूक करना शुरू किया। उन्हें रोचक अंदाज में पढ़ाना शुरू किया। इससे उन बच्चों में पढ़ाई के प्रति ललक जागी। इन दिनों वनस्थली विद्यापीठ से स्नातक की पढ़ाई कर रही तनिष्ठा ने अपना यह काम वहां भी जारी रखा। मेस में कार्यरत महिलाओं के बच्चों को वह निरंतर पढ़ाती हैं। उनकी प्रेरणा से उनके ग्रुप की लड़कियां भी यह काम करती हैं।

February 2021

In this session five program officers got opportunity to get “Program Officers” training from 1-7 Feb 2021. Out of these four Program Officers named Dr. Sunita Kumari, Dr. Shikha Singh, Dr. Mandvi Singh and Dr. Navjeet Kaur joined the training.

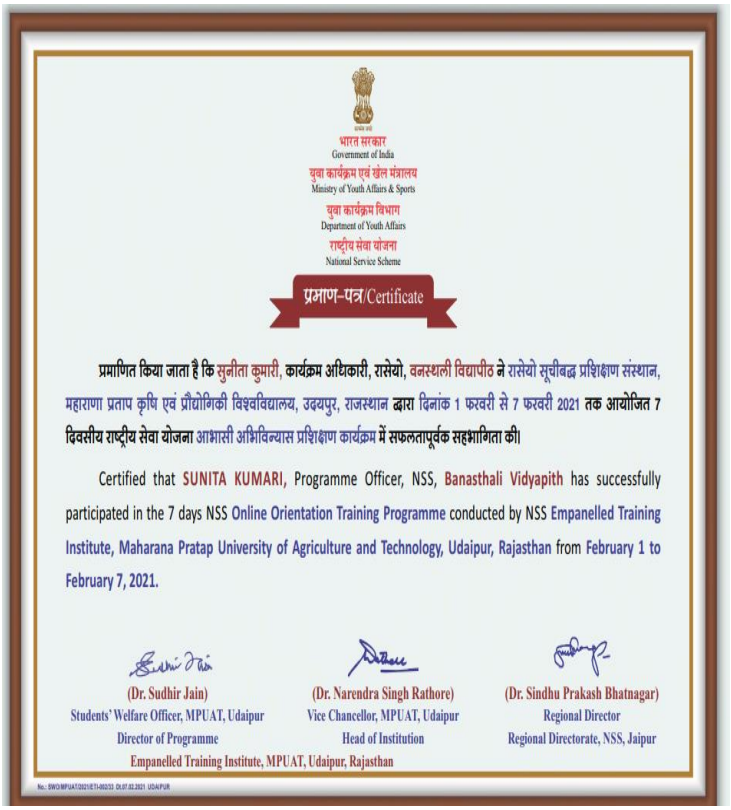

भारत सरकार
Government of India
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
Ministry of Youth Affairs & Sports
युवा कार्यक्रम विभाग
Department of Youth Affairs
राष्ट्रीय सेवा योजना
National Service Scheme

प्रमाण-पत्र/Certificate

प्रमाणित किया जाता है कि सुनीता कुमारी, कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो, वनस्थली विद्यापीठ ने रासेयो सूचीबद्ध प्रशिक्षण संस्थान, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा दिनांक 1 फरवरी से 7 फरवरी 2021 तक आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना आभासी अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफलतापूर्वक सहभागिता की।

Certified that SUNITA KUMARI, Programme Officer, NSS, Banasthali Vidyapith has successfully participated in the 7 days NSS Online Orientation Training Programme conducted by NSS Empanelled Training Institute, Maharana Pratap University of Agriculture and Technology, Udaipur, Rajasthan from February 1 to February 7, 2021.

(Dr. Sudhir Jain)
Students' Welfare Officer, MPUAT, Udaipur
Director of Programme

(Dr. Narendra Singh Rathore)
Vice Chancellor, MPUAT, Udaipur
Head of Institution

(Dr. Sindhu Prakash Bhatnagar)
Regional Director
Regional Directorate, NSS, Jaipur

Empanelled Training Institute, MPUAT, Udaipur, Rajasthan

On 11th February advisory meeting was held through online media. The members of this meeting were Prof Ina Shastri, Pro-VC, Banasthali Vidyapith, Dr Rajani Chauhan NSS Coordinator Banasthali Vidyapith and other dignitaries.

Some volunteers were busy in teaching the poor children during this pandemic period.

March 2021:

In this month volunteers again distributed the masks to person in need.

Bhagidari Jan Sahyog authority awarded Dr Rajani Chauhan, NSS coordinator with "Women Empowerment Award" on 6 March, 2021. She was honoured on the occasion of International women day. This program was jointly organized by Delhi state legal service authority-Arunachal Pradesh state legal service authority-Punjab state legal service authority and Manipur state legal service authority.

For the commencement of 75th year of Independence on 15 August 2021, program for Ajadi ka Amrit Mahotsav was designed.

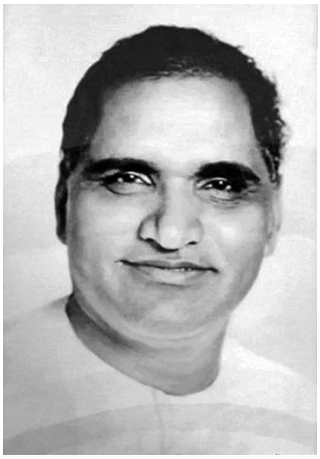

Banasthali Vidyapith

Ajadi ka Amrit Mahostav

Local/Unsung Freedom Fighter of Banasthali

2020-21

April 2021:

Again work of mask distribution was on full swing.

May 2021:

NSS prepared sanitizer for living and non-living things in association of Pharmacy Department, Banasthali Vidyapith.

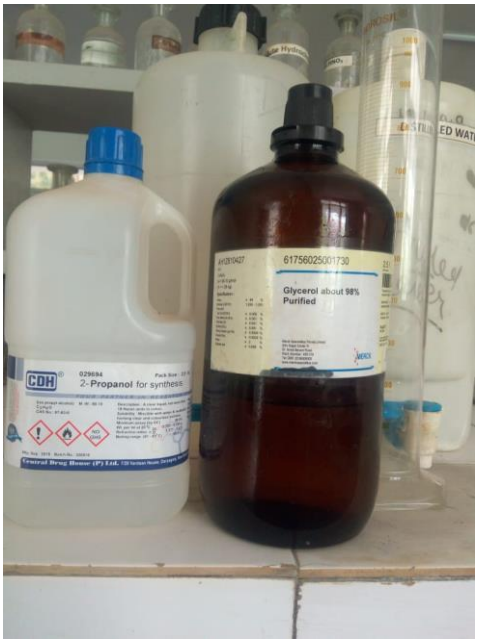

June 2021

On 21 June 2021 International yoga day was celebrated by volunteers of NSS in their home. The theme of the yoga was **"Be with Yoga, be at Home"**

Physical Education

Vidyapith has to manage both, the time to time guidelines of World health organization, I.C.M.R. and the Government to take safety majors along with the fitness of the students. To maintain the fitness of the students and to manage the regularity of fivefold education, finally five different activities were finalized to be continued online so that the fitness of the students can be accomplished. The activities are as follows: Aerobics, Fitness training, Gymnastics, Martial Arts and Yoga.

In the first semester there are 2936 and in the second semester 2445 students have opted for these activities, which include both Graduate and Postgraduate students.

S.No.	**Activities**	**July-November Semester**	**January–April Semester**	**Total**
1.	Aerobics	720	602	1322
2.	Fitness Training	501	443	944
3.	Gymnastics	96	80	176
4.	Martial Arts	405	465	870
5.	Yoga	1214	855	2069
Total		**2936**	**2445**	**5381**

There is total 5381 graduate and postgraduate students opted for sports and physical education in the session 2020-21, under fivefold Education system and received their grading too. This is how the department of physical education is successful in achieving its objectives under fivefold education.

Intramural Competition

Intramural activities are the regular feature of Vidyapith, which has been organized year round. The main objectives of these activities are not only to develop sportsman spirit and leadership qualities among the students but also to

develop a holistic personality in them. Further, the department also wants to add more number of students towards games and physical education activities.

The opening ceremony of Intramural competition in the special ceremony organized at the beginning of the session, in which the students of entire Vidyapith (from Primary school to Higher education) take part. The uniqueness of this event is that the students of different houses represent various contemporary issues in the form of procession. In this event almost 3000 students participate directly but indirectly the entire Banasthali students participate and contribute substantially to make the event a grand success. The commencement of intramural announced formally in this opening ceremony.

Intramural activities which go on throughout the year is organized for the students of Vidyapith. In the beginning of the session the students of Vidyapith are divided into 7 different houses namely ***Ajanta, Nalanda, Pushpagiri, Sanchi, Takshshila, Vallabhi,*** and ***Vikramshila***. There are 24 different competitions organized among these houses.

The intramural competitions are arranged through league process. There are also certain types of sports managed for the students which attract and encourage the non-player students to the ground which gives them healthy entertainment. These entertaining games are *Atya-Patya*, Tug of War, Leg Cricket, Dodge-ball, Slow-cycling, Throwball, Tennikoit, and Crows and Cranes etc.

Closing ceremony is organized at the end of the year. In this ceremony the result of the whole year activities are announced and the winner and runner up houses are awarded. Due to corona pandemic, Intramural sports tournament could not be organized this year, but still, under fivefold education (Physical Education), some activities (Fitness Training, Gymnastics, Martial Arts, Yoga & Aerobics etc.) had been conducted online, to achieve the motto of intramural games.